



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1

PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 6]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 31, 1973/भाद्र 9 1895

No. 6]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 31, 1973/BHADRA 9, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

NOTICES UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961
(43 OF 1961)

New Delhi, the 17th August 1973

No. IAC/Acq.II/(C-8)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. W-56 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the registering officer at Delhi on 20th February 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. DLF United Ltd. 40-F Connaught Place, New Delhi.—(Transferor)
- (2) (1) Anand Parkash Gupta, (2) Mohinder Kumar Gupta, P/o 60/2, Ramjas Road, New Delhi.—(Transferee).
- (3) Shri/Smt./Km.....[Person(s) in occupation of the property].
- (4) Shri/Smt./Km.....[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 56 in Block No.—W measuring 990 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:

East: Service Lane.
West: Road.
North: Plot No. W/54.
South: Plot No. W/55.

C. V. GUPTE,

Competent Authority,

(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II)
Delhi/New Delhi.

Dated: 17th August, 1973.

Seal:

*Strike, off where not applicable.

कार्यालय सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज 2, नई दिल्ली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 4 (1) के अधीन सूचनाएं

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 1973

यतः, मुझे च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्यू-56 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन 20-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच तय पाया गया है कि अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने के लिए सुकर बनाना, और / या ;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ;

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एन० एफ० युनाईटेड लि० (अन्तरक)
40 एक० कटाट पैलेस, नई दिल्ली ।
2. (1) आनन्द प्रकाश गुप्ता (2) मोहिन्दर कुमार गुप्ता निवासी 60/2 रामजस रोड, नई दिल्ली (अन्तरिती)
3. श्री/ श्रीमती/ कुमारी..... (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
.....
.....
4. श्री/ श्रीमती / कुमारी..... (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
.....
.....

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद् द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसका नं० 56 जो कि ब्लॉक नं० डब्ल्यू में तथा जिसका क्षेत्रफल 990 वर्ग गज है जो कि निवामी कालोनी ग्रेटर कैलाश II के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—सर्विस लैन

पश्चिम—सड़क

उत्तर —प्लॉट नं० डब्ल्यू / 54

दक्षिण—प्लॉट नं० डब्ल्यू / 55

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

No. IAC/Acq.II/(C-8)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. S-206, situated at Greater Kalish-II, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 26th February, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in term of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

NOW, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi.—(Transferor).
- (2) Shri Raj Kishan, S/o Shri Radha Kishan, R/o 1/6, Jor Bagh Market, New Delhi.—(Transferee).
- (3) Shri/Smt./Km [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Shri /Smt/Km [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if, any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 206 in Block No. 'S' measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East: Service Lane.

West: Road.

North: Plot No. S/204.

South: Plot Plot No. S/208.

C. V. GUPTE

Competent Authority,

(Inspecting Assistant Commissioner of,
Income-tax Acquisition range-II
Delhi/New Delhi)

Dated: 17th August, 1973.

सं० आई० ए० सी०/एचयू० II/(सी-8)/73-74—यतः, मुझे च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस-206 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-2-1973 को पुक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल, निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए, ग़र्र बनाना. और / या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर, बनाता ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 262 ग के अनुमरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाईटेड लि०
40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री राज किशन पुत्र श्री राधा किशन
निवासी 1-6 जोर बाग, मार्केट, नई दिल्ली (अन्तरिती) ।
3. श्री/श्रीमती/कुमारी (यह व्यक्ति जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)
-
-
4. श्री/श्रीमती/कुमाररी (यह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
4.
-

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी ।

एतद् द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसका नं० 206 ब्लॉक नं० एस क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर-कैलाश- II के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—सर्विस लेन

पश्चिम—मड़क

उत्तर—प्लॉट नं० एस/204

दक्षिण—प्लॉट नं० एस/208

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

No. IAC/Acq.II/(B-8)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. E-137 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 26th February, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in term of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi.—(Transferor).
- (2) Kanwal Kishore Malhotra, s/o Shri Raja Ram Malhotra r/o 1/7, East Patel Nagar, New Delhi.—(Transferee).
- (3) Shri/Smt./Km [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Shri /Smt/Km [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if, any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

A plot of land bearing No. 137 in Block No. 'E' measuring 250 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under;—

South: Plot No. E/135.

*Strike off where not applicable.

सं०आई०ए०सी०/एष्यु०II/(सी-8)/73-74.—यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० ई-137 है, जो ग्रेटर कलाण-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने के लिए सूकर बनाना. और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किर्मा धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर, बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाईटेड लि०
40 एफ कनाट प्लेस, नई दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री कंवल किशोर मलहोत्रा पुत्र श्री राजा राम मलहोत्रा
निवासी 1/7 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनद् द्वारा कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो' के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण. — इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

घनसूची

जमीन का एक प्लॉट जिसका नं० 137 ब्लाक नं० ई तथा क्षेत्रफल 250 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैथाल, II के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थिति है।

पूर्व—सविस लैन

पश्चिम—सड़क

उत्तर—प्लॉट नं० ई/139

दक्षिण—प्लॉट नं० ई/135

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

No. IAC/Acq.II/(B-8)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. S325 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 26th February, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in term of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi.—(Transferor).
- (2) Shri Joginder Lal Kapur s/o Shri Kundan Lal Kapur, B-315 (F. Type) New No. 269, South Moti Bagh, New Delhi.—(Transferee)
- (3) Shri/Smt./Km [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Shri /Smt/Km [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if, any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 325 in Block No. S, measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated in village Baharpur, in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East: Road

West: Service Lane

North: Plot No. S/323

South: Road.

*Strike off where not applicable

सं० आई० ए० सी०/एन्यु० II/(सी-8)/73-74.—यतः, मुझे, च० कि० गुप्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी, सं० एल 325 है, जो ग्रेटर कैलाश में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. मै० डी० एल एफ युनाइटेड लि० (अन्तरक)
40 एफ कनाट प्लेस, नई दिल्ली
2. श्री जोगिन्दर लाल कपूर, पुत्र श्री कुन्दन लाला कपूर (अन्तरिती) बी-135 (एफ टाईप)
न्यून० 269, साऊथ मोती बाग, नई दिल्ली
3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
.....
.....
4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
.....

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को भी जाएगी ।

एतद् द्वारा, आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसका न० 325 डाक न० एस क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11 के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—सड़क

पश्चिमी—सर्विस लन

उत्तर—प्लॉट न० एस/323

दक्षिण—सड़क

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

No. IAC/Acq II/(B-8)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. E-393 situated at Greater Kailash (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 19th February, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi.—(Transferor).
- (2) Smt. Daya Wanti w/o Sh. Ram Prakash Aggarwal r/o L-73 Sarojini Nagar, New Delhi.—(Transferee).
- (3) Shri/Smt./Km. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Shri/Smt./Km. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]. /

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for bearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 393 in Block No. E measuring 240 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at Village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East: Service Lane

West: Road

North: Plot No. E/395

South: Road.

*Strike off where not applicable

सं० आई०ए०सी०/एक्यु० II/(सी-8)/73-74.—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ई-393 है, जो ग्रेटर, कैलाश में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना. और /या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. मै० डी एल एफ युनाईटेड लि० (अन्तरक)
40 एफ कनाट पैलेस, नई दिल्ली

2. श्रीमती दयावन्ती पत्नि श्री राम प्रकाश अग्रवाल (अन्तरिती)

निवासी एल-73 सरोजनी नगर, नई दिल्ली

3. श्री/श्रीमती/कुमारी..... (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी..... (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

.....
.....

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि को हो, तो.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण.— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसका नं० 393 ब्लाक नं० ई क्षेत्रफल 249 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश 11 के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—सर्विस लन

पश्चिम—सड़क

उत्तर—प्लॉट नं० ई/395

दक्षिण—सड़क

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

No. IAC/Acq.II/(B-8)/73.74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. land 14 bighas 5 biswas situated at village Samepur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 17th February, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in term of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Vedic Vidyalaya (D.A.V.) Higher Secondary School through Shri Mohindra Yadav, s/o Shri Nadar Singh, president of the Committee —(Transferor).
- (2) Shri Ram Chander s/o S. Mohan Singh, r/o village Samepur, Delhi---(Transferee).
- (3) Shri/Smt./Km [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Shri/Smt./Km. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further noticed that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 14 bighas and 5 biswas in Rect. No. 70 killa No. 24 (4—10) Killa No. 25 (4—6), Rect. No. 3, Killa No. 4 (3—5) Killa No. 7 (1—18) situated in village Samepur, Delhi.

*Strike off where not applicable

सं० आई० ए० सी०/एम्पु० II/(बी-8)/73-74.—यत् मुझे, च० वि० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकी उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 14 बिघा 5 बिसवा जमीन है, जो गांव शामेपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 फरवरी 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाढ़ि था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यत्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अन्तरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी मै० वैदिक विद्यालय (डी० ए० बी०) हायर सैकेण्ड्री स्कूल द्वारा श्री मोहिन्द्र यादव, पुत्र श्री नादर सिंह, प्रधान कमेटी, देहली-42 (अन्तरक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी श्री राम चन्द्र, पुत्र श्री मोहन सिंह निवासी शामेपुर, दिल्ली—(अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 14 बीघे 5 बिसव रेक्ट स० 70 किला न० 24 (4-10) किला न० 25 (4-6) रेक्ट न० 3 किला न० 4 (3-5) किला न० 7 (1-8) जो कि गांव शाँपुर दिल्ली में है।

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

No. IAC/Acq.II/(B-8)/73.74.—Whereas I. C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land 2 bighas 5 biswas situated at village Samepur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 26th February, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11

of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in term of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Vedic Vldayalaya (D.A.V.) Higher Secondary School, village Samepur, Delhi (i)—(Transferor).
- (2) S/Shri Deep Chand, s/o Shri Mir Singh; (ii) Mool Chand, s/o Faquira; (iii) Om Parkash, s/o Kawal Ram; (iv) Smt. Bimla, w/o Shri Balbir Singh; (v) Smt. Kanta, w/o Shri Barinder Singh; (vi) Mohan Lal, s/o Shri Net Ram (All residents of village Samepur, Delhi.—(Transferee).
- (3) Shri/Smt./Km. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Shri/Smt./Km. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 2 bighas and 5 biswas in Rect. No. 39 Killa No. 16 situated at village Samepur, Delhi (Union Territory of Delhi, within 'Lal Dora').

*Strike off where not applicable.

सं० आई० ए० सी०/एचयू० II/(बी-8)/73-74.—यतः मुझे, सी० वि० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2 बीघा 5 बिसवा है, जो गांव शामेपुर, दिल्ली में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्वरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि

अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना , और/या ;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर, बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20—क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं

अतः अब, धारा 269—ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269—घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० वैदिक विद्यालय (डी०ए०वी०) हायर सैकेन्ट्री स्कूल, एवं शामेपुर, दिल्ली

अन्तरक

- (i) सर्व श्री दीपचन्द पुत्र श्री मोर सिंह
- (ii) मूल चन्द पुत्र फकीर
- (iii) श्रीम प्रकाश पुत्र कवल राम
- (iv) श्रीमती बिमला पति श्री बलबीर सिंह
- (v) श्रीमती कान्ता पत्नी श्री बिरिन्द्र सिंह
- (vi) मोहन लाल पुत्र श्री नेत राम

सभी निवासी गांव शामेपुर, दिल्ली

अन्तरिति

3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके बारे में अद्योहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए प्रति आक्षेप , यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उतर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गती को दी जाएगी।

एतद् द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20—क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 2 बीघे 5 बिसवै जो रेक्ट नं० 39 किला नं० 16 जो गांव शामेपुर दिल्ली में स्थित है, और लाल डोरा के अन्धर।

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

No. IAC/Acq.II/(B-8)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land 3 Bighas 10 Biswas situated at Village Samepur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 17th February, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in term of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Vedic Vidayala (D.A.V.) Higher Secondary School at village Samepur, Delhi—(Transferor).

(2) Shri Deep Chand, s/o Shri Mir Singh, r/o Village Samepur, Delhi—
(Transferee).

(3) Shri/Smt./Km [Person(s) in occupation of the property].

(4) Shri/Smt./Km. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 3 bighas and 10 biswas out of Rect. 39 Killa No. 4 and Killa No. 17 measuring 150 x 260 and bounded as under:—

North: Bhona Road

South: School

East: Passage 25 out of Killa No. 150, Rect. 39

West: School land.

C. V. GUPTE,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

*Strike off where not applicable.

सं० आई० ए० सी० एच० II/(बी-8)/73-74. —यतः, मुझे, सी० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी सं० भूमि 3 बीघा 10 बिस्वा जो गांव शामेपुर है दिल्ली में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है,), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम 17-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरि की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय

पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में वसी करने या उसमें बचने के लिए मुफ़्त बनाना, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुफ़्त बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० वैदिक विद्यालय, (ई० ए० वी०) हायर सैकेंड्री स्कूल, गांव शामेपुर, दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री दीप चन्द, पुत्र श्री मीर सिंह, निवासी गांव शामेपुर दिल्ली, (अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति (जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए

जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिनने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथा-परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 3 बीघे 10 बिशवे जिस में से आयताकार किला नं० 4 और किला नं० 17 क्षेत्रफल 150-260 वर्गगज है —

उत्तर—मवाना रोड

दक्षिण—स्कूल

पूर्व—रास्ता 25 किला नं० 150 आयताकार 39

पश्चिम—स्कूल की भूमि

च० बि० गुप्ते,

तारीख 18 अगस्त, 1973

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

(जो लागू न हो उसे वाट दीजिए)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

NOTICED UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961
(43 OF 1961)

Bombay, the 16th August-1973

No. AR-II/253/359/72-73.—Whereas I, Shri N. D. Anjaria, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. New S. No. 380 (part) situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1st February, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dhanpati Thackersey Hirji *alias* Dhanpati Thackersey, (2) Shri Bhagwandas Jamnadas, and (3) Shri Ranjit Jamnadas, 34 Walkeshwar Road, Bombay-6.—(Transferor).
- (2) Shri Mohan Thanwandas Jethwani, Block No. 4/6, Mulund Colony, Bombay-82.—(Transferee).
- *(3) Shri/Smt./Km. (Person in occupation of the property).
- * (4) (1) Smt. Taramati w/o Bhagwandas Jamnadas, (2) Smt. Ranjana w/o Ranjit Jamnadas, (3) Shri Bhagwandas Jamnadas, (4) Shri Ishwardas Thanwandas Jethwani.—(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

All that vacant piece or parcel of land or ground situate, lying and being at Mulund in Taluka South Salsette in the Bombay Suburban District in the Registration Sub District of Bandra bearing Old Survey No. 232 (part) and New Survey No. 380 (part) and forming part of the land described in the First Schedule† hereinabove written admeasuring to 6210 square yards equivalent to 5192.39 square metres or thereabout and bounded as follows; that is to say on or towards the North partly by Plot No. 8, partly by Plot No. 7 and on or towards the South by area reserved for forest on or towards the East by Survey No. 377 on or towards the West by Survey No. 351 and reserved for forest.

*[Strike off where not applicable.]

†Vide Annexure 'A' attached herewith

ANNEXURE 'A'

The First Schedule

All that vacant pieces or parcels of land or ground situate lying and being at Mulund in Taluka South Salsette in the Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra bearing Old S. No. 231 and New S. No. 380 (part) and admeasuring 22116 square yards equivalent to 18492.29 square metres or thereabout and bounded as follows: On or towards the North partly by land bearing Survey No. 376 and partly by land reserved for Dhobi Housing on or towards the South by the land reserved for forests, on or towards the West by the land bearing Survey No. 351 (part) and reserved for forests and on or towards the East partly by the land bearing Survey No. 232 (part) and by land bearing Survey No. 377.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचनाएँ

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, 16 अगस्त, 1973

सं० अ० ई०-2/253/359/72-73.—अतः मुझे श्री नन्द अन्जारिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि अस्थाई सम्पत्ति जमका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी सं० नया सं० सं० 380 (अंश), है, जो मुलुण्ड में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का, पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुक्त बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुक्त बनाना, और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अन., अध. धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री धनपति ठाकरसी हिरजी उर्फ धनपति ठाकरसी, }
 (2) श्री भगवानदास जमनादास, } (अन्तरक)
 (3) श्री रणजीत जमनादास, }
 34, बालकेश्वर रोड, बम्बई-6)
2. श्री मोहन थावरदास जेठवानी / 4 / 6, मुलुण्ड बालोनी, दम्बई-82 —(अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. (1) श्रीमती तारामती भगवानदास जमनादास }
 (2) श्रीमती रंजना रणजीत जमनादास } वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
 (3) श्री भगवान दास जमनादास, } हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 (4) श्री ईश्वरदास थावरदास जेठवानी । } में हितबद्ध है ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथास्थितिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम खाली टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिला के दक्षिण सालसेट्ट तालुका के मुलुण्ड में स्थित, मौजूद एवं पड़ा हुआ है जिसका पुराना सर्वेक्षण क्र० 231 (अंश) एवं नया सर्वेक्षण क्र० 380 (अंश) है एवं यहाँ ऊपर उल्लिखित प्रथम अनुसूची (साथ में यहाँ पर संलग्न परिशिष्ट 'अ' के सुताबिक) में वर्णित भूमि

का अंग है जो कि माप करीब 6210 वर्ग गज यानी कि 5192-39 वर्गमीटर के समकक्ष है तथा निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर में या ओर—कुछ अंश प्लॉट क्र० 8, कुछ अंश प्लॉट क्र० 7 एवं कुछ अंश बगीचा।
दक्षिण में या ओर—जंगल के लिए आरक्षित क्षेत्र। पूर्व में या ओर—सर्वेक्षण क्र० 377 वाली भूमि
पश्चिम में या ओर—सर्वेक्षण क्र० 351 वाली भूमि एवं जंगल के लिए आरक्षित क्षेत्र।

परिशिष्ट 'अ'

प्रथम अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम खाली टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिला के दक्षिण सालमेट्ट तालुका के मुलुण्ड में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जिसका पुराना सर्वेक्षण नं० क्र० 231 (अंश) एवं नया सर्वेक्षण क्र० 3.80 (अंश) है जो कि माप से करीब 22116 वर्गगज यानी कि 18492-29 वर्गमीटर के समकक्ष है तथा निम्न प्रकार घिरा हुआ है :—

उत्तर में या ओर—कुछ अंश सर्वेक्षण क्र० 376 वाली भूमि एवं कुछ अंश घोड़ी गृह के लिए आरक्षित भूमि, दक्षिण में या ओर—जंगल के लिए आरक्षित भूमि, पश्चिम में या ओर—सर्वेक्षण क्र० 351 (अंश) वाली भूमि एवं जंगल के लिये आरक्षित भूमि, पूर्व में या ओर—कुछ अंश सर्वेक्षण क्र० 232 (अंश) वाली भूमि एवं सर्वेक्षण क्र० 377 वाली भूमि ।

तारीख : 16 अगस्त, 1973 ।

माह :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

No. AR-II/245/344/72-73.—Whereas I, Shri N. D. Anjaria, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range II, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing New S. No. 380 (part) Sub-Divided Plot No. 4 situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1st February, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Dhanapati Thackersey Hirji *alias* Dhanapati Thackersey.
(ii) Shri Bhagwandas Jamnadas.
(iii) Shri Ranjit Jamnadas, 34, Walkeshwar Road, Bombay-6.—(*Transferor*).
- (2) Shri Gianchand Thanwandas Jethwani, Block No. 4/6, Mulund Colony, Bombay-82.—(*Transferee*).
- *(3) Shri/Smt./Kum.
- *(4) (i) Smt. Taramati, w/o. Bhagwandas Jamnadas.
(ii) Smt. Ranjana, w/o. Ranjit Jamnadas.
(iii) Shri Bhagwandas Jamnadas.
(iv) Shri Ishwardas Thanwandas Jethwani—*Person whom the undersigned knows to be interested in the property.*

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

All that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being at Mulund in Taluka South Salsette in the Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra bearing Old Survey No. 231 (part) and New Survey No. 380 (part) and forming part of the land described in the First Schedule* hereinabove written and bearing Sub-Divided Plot No. 4 admeasuring to 858 square yards equivalent to 717.38 square metres or thereabouts and bounded as follows: ON or towards the NORTH by Water Duct Line, ON or towards the SOUTH by 30' Road and beyond that partly by sub-divided Plot No. 7 and partly by Garden A ON or towards the EAST by sub-divided Plot No. 5 of the said Scheme and ON or towards the WEST by sub-divided Plot No. 3.

ANNEXURE 'A'

The First Schedule

All that vacant pieces or parcels of land or ground situate lying and being at Mulund in Taluka South Salsette in the Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra bearing Old S. No. 231 and New S. No. 380 (part) and admeasuring 22116 square yards equivalent to 18492.29 square metres or thereabouts and bounded as follows: ON or towards the NORTH PARTLY by land bearing Survey No. 376 and partly by land reserved for Dhobi Housing ON or towards the South by the land reserved for forest ON or towards the WEST by the land bearing Survey No. 351 (part) and reserved for forests and ON or towards the EAST partly by the land bearing Survey No. 232 (part) and by land bearing Survey No. 377.

*Vide Annexure 'A' attached herewith.

सं० अ० ई०-2/245/344/72-73.—अतः मुझे श्री न० द० अन्जारिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज— 2 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का, कारण है कि स्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नया स.स. 380 (अंश), उप-विभाजित प्लॉट सं० 4 है, जो मुलुण्ड में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन 1-2-1973, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्ष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना, और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग अनुसारण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी श्री धनपती ठाकरसी हिरजी उर्फ धनपती ठाकरसी।
2. श्री/श्रीमती/कुमारी श्री भगवानदास जमनादास,
3. श्री/श्रीमती/कुमारी श्री रणजीत जमनादास
4. श्री/श्रीमती/कुमारी वालकेश्वर रोड, बम्बई-6। (अन्तरक)
2. श्री १ मती/कुमारी श्री ग्यानचंदयावरदास जेठवानी (अन्तरिती)

ब्लाक नं० 4/6, मुलुण्ड कालनी, बम्बई-82।

3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी
 1. श्रीमती तारामती भगवानदास जमनादास (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता कि है वह सम्पत्ति
 2. श्रीमती जुरंजना रणजीत भगवानदास जमनादास हस्ताक्षरी जानता कि है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)
 3. श्री भगवान दास जमना दास
 4. श्री ईश्वरदास बांवरदास जेठवानी

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद् द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधिन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

व्याख्याकरण : इसमें प्रयुक्त शब्द या और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम खाली टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिला के दक्षिण सानसेट्ट तालुका के मुल्गुण्ड में स्थित, मौजूदा ब पड़ा हुआ है जिसका पुराना सर्वेक्षण क्र० 231 (अंश) एवं नया व सर्वेक्षण क्र० 380 (अंश) है एवं यहां पर उल्लिखित प्रथम अनुसूची* में वर्णित भूमि का अंग है तथा उप-विभाजित प्लॉट न० 4 धारण किये हुए है जो कि माप से करीब 858 वर्गगज यानी कि 717-38 वर्गमीटर के समकक्ष है तथा निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर में या ओर—बाटर डच लाईन, दक्षिण में या ओर—30 फीट सड़क एवं उससे आगे कुछ अंश उप-विभाजित प्लॉट क्र० 7 तथा कुछ अंश बगीचा ए, पूर्व में या ओर—उपरोक्त योजना के उप-विभाजित प्लॉट क्र० 5, पश्चिम में या ओर—उप-विभाजित प्लॉट क्र० 3.

*साथ में यहां पर संलग्न परिशिष्ट 'अ' के मुताबिक

परिशिष्ट 'अ'

प्रथम अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम खाली टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिला के दक्षिण सालसेट्ट तालुका के मुलण्ड में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जिसका पुराना सर्वेक्षण क्र० 231 (अंश) एवं नया सर्वेक्षण क्र० 380 (अंश) है जो कि माप से करीब 22116 वर्गगज यानी कि 18492-29 वर्गमीटर के समकक्ष है तथा निम्न प्रकार से घिरा हुआ है:—

उत्तर में या ओर—कुछ अंश सर्वेक्षण क्र०. 376 वाली भूमि एवं कुछ अंश घोषी गृह के लिये आरक्षित भूमि, दक्षिण में या ओर—जंगल के लिये आरक्षित भूमि, पश्चिम में या ओर—सर्वेक्षण क्र० 351 (अंश) वाली भूमि एवं जंगल के लिये आरक्षित भूमि, पूर्व में या ओर—कुछ अंश सर्वेक्षण क्र०. 232 (अंश) वाली भूमि एवं सर्वेक्षण क्र०. 377 वाली भूमि ।

No. AR-II/248/347/72-73.—Whereas I, Shri N. D. Anjaria, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing New S. No. 380 (part) Sub-Divided Plot No. 8 situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 3rd February, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Dhanpati Thackersey Hirji *alias* Dhanpati Thackersey.
(ii) Shri Bhagwandas Jannadas.
(iii) Shri Ranjit Jannadas, 34, Walkeshwar Road, Bombay-6.—(Transferor).
- (2) Shri Kishanchand Thanwardas Jethwani, Block No. 4/6, Mulund Colony, Bombay-82.—(Transferee).

* (3) Shri/Smt./Kum.—(Person in occupation of the property).

* (4) (i) Smt. Taramati. w/o. Bhagwandas Jamnadas.

(ii) Smt. Ranjana. w/o. Ranjit Jamnadas.

(iii) Shri Bhagwandas Jamnadas.

(iv) Shri Ishwardas Thanwandas Jethwani.—(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

All that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being at Mulund in Taluka South Salsette in the Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra bearing Old Survey No. 231 (part) and New Survey No. 380 (part) and forming part of the land described in the First Schedule hereinabove written and bearing Sub-Divided Plot No. 5 admeasuring to 980 square yards equivalent to 819.4 square metres or thereabouts and bounded as follows: ON or towards the NORTH by water Dust Line, ON or towards the SOUTH partly by 30' Road of the said Scheme and partly by Garden 'B', ON or towards the East by Garden 'B' and that the sub-divided Plot No. 6 of the Scheme and ON or towards the WEST by sub-divided Plot No. 4 of the said Scheme.

ANNEXURE 'A' The First Schedule

All that vacant pieces or parcels of land or ground situate lying and being at Mulund in Taluka South Salsette in the Bombay Suburban District in the Registration Sub-District Bandra bearing Old S. No. 231 and New S. No. 280 (part) and admeasuring 22116 square yards equivalent to 18492.29 square metres or thereabouts and bounded as follows: ON or towards the NORTH PARTLY by land bearing Survey No. 376 and partly by land reserved for Dhobi Housing ON or towards the SOUTH by the land reserved for forests, ON or towards the WEST by the land bearing Survey No. 351 (part) and reserved for forests and ON or towards the EAST partly by the land bearing Survey No. 232 (part) and by land bearing Survey No. 377.

*Strike off where not applicable.

सं० अ० ई०-2/244/343/72-73.—अतः मुझे, श्री न० द० अन्जारिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज 2 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नया सं० स० 380 (अंश), उप-विभाजित प्लॉट है, जो मुल्ण्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन 1-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से,

ऐसे बूझ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना, और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्री धनपती ठाकरसी हिरजी उर्फ धनपती ठाकरसी (ii) श्री भगवानदास जमनादास (iii) श्री रणजीत जमनादास, 34, बालकेश्वर रोड, बम्बई-6—(अन्तरक)
2. श्री किशीनचन्द थावरदास जैठवानी, 4/6, मुलुण्ड का नोनी, बम्बई-82—(अन्तरिती)
- * 3. श्री/श्रीमती/कुमारी—(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- * 4. (i) श्रीमती तारामती भगवानदास जमनादास, (ii) श्रीमती रंजना रणजीत जमनादास, (iii) श्री भगवानदास जमनादास, (iv) श्री ईश्वरदास थावरदास जैठवानी—(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सूचना के लिए तारीख और स्थान

नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को भी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम खाली टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिला के दक्षिण सालसेट्ट तालुका के मुलुण्ड में स्थित, मौजूद एवं पड़ा हुआ है जिसका पुराना सर्वेक्षण क्र० 231 (अंश) एवं नया सर्वेक्षण क्र० 380 (अंश) है एवं यहां उपर उल्लिखित प्रथम अनुसूची में वर्णित भूमि का अंग है तथा उपविभाजित प्लॉट क्र० 5 धारण किये हुए है जो कि माप से करीब 980 वर्गगज यानी कि 819-4 वर्गमीटर के समकक्ष है तथा निम्नप्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर में या ओर—बाटर डच लाइन, दक्षिण में या ओर—कुछ अंश उपरोक्त योजना की 30 फीट सड़क एवं कुछ अंश बगीचा बी, पूर्व में या ओर—बगीचा बी, तथा योजना का उप-विभाजित प्लॉट क्र० 6, पश्चिम में या ओर—उपरोक्त योजना का उप-विभाजित प्लॉट क्र० 4।

परिशिष्ट 'अ'

प्रथम अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम खाली टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिला के दक्षिण सालसेट्ट तालुका के मुलुण्ड में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जिसका पुराना सर्वेक्षण क्र० 231 (अंश) एवं नया सर्वेक्षण क्र० 380 (अंश) है जो कि माप से करीब 22116 वर्गगज यानी कि 18492-29 वर्गमीटर के समकक्ष है तथा निम्नप्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर में या ओर—कुछ अंश सर्वेक्षण क्र० 376 वाली भूमि एवं कुछ अंश घोषी गृह के लिए आरक्षित भूमि, दक्षिण में या ओर—जंगल के लिए आरक्षित भूमि, पश्चिम में या ओर—सर्वेक्षण क्र० 351 (अंश) वाली भूमि एवं जंगल के लिए आरक्षित भूमि, पूर्व में या ओर—कुछ अंश सर्वेक्षण क्र० 232 (अंश) वाली भूमि एवं सर्वेक्षण सं० 377 वाली भूमि।

* जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

† साथ में यहाँ पर सलग्न परिशिष्ट 'अ' के मुताबिक।

No. AR-II/265/376/72-73.—Whereas I, Shri N. D. Anjarla, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II, Bombay, being the Competent Authority under section 269 B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing S. No. 169, H. No. 9, S. No. 125, S. No. 171, H. No. 10(p), City Survey No. 2079 to 2128 and 2130 to 2138 and part of City Survey No. 2139 situated at Ghatkopar, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 15th February, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Purshottam Jamnadas Parekh, "Rajesh", R. B. Mehta Road, Ghatkopar, Bombay-77.—(Transferor).
- (2) Shri Goshalia Ratilal Vithaldas (Gadhda Niwas) Dashashrimali Jai Vidhyarthi Griha Saverkundla (Saurashtra) Charitable Public Trust Fund C/o. Jayantilal Bros. Gopal Niwas, 1st floor, 133, Princess Street, Bombay-2. (Transferee).

- * (3) Shri/Smt./Kum. As per Annexure 'A' (person in occupation of the property).
- * (4) Smt. Devyani G. Parekh (person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of land situate lying and being at Ghatkopar in Greater Bombay in Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban together with the building and structure now standing thereon bearing S. No. 163, H. No. 9 admeasuring about 1244 sq. yds. equivalent to 1040.10 sq. metres, S. No. 125 admeasuring about 1536 sq. yds. equivalent to 1284.24 sq. metres and S. No. 171, H. No. 10(p) admeasuring about 1284 sq. yds. equivalent to 1073.56 sq. metres aggregating to 4064.00 sq. yds. equivalent to 5807.90 sq. metres bearing City Survey No. 2079 to 2128 and 2130 to 2138 and part of City Survey No. 2139 of Village Ghatkopar Kiroj and bearing following Municipal Ward Numbers: N6549(1), 6549(1A), 6549(2), 6549(3), 6549(5), 6549(7), 6549(8), 6549(9), 6549(9A), 6549(10) and 6549(10AA) and the properties standing thereon known as "Gopal Bhavan", "Gopal Bhavan Chawl", "Parekh Bhavan", "Parekh Bhavan Chawl", "Ganga Wadi No. 3", "Temporary Chawl No. 1" and "Temporary Chawl No. 3" and bounded as follows: On the NORTH by partly 20' passage, partly by Patel Bhuvan and partly by building known as Nathalal Bhuvan; SOUTH by Survey No. 169, WEST by Survey No. 171, Hissa No. 10 (part); EAST by Bombay Agra Road.

ANNEXURE 'A'

(Persons in occupation of the property)

Gopal Bhavan

1. Ratilal Lalji.
2. Premji Bhimasi.
3. Sureshchandra Amabalal.
4. Jethalal Bhimsi.
5. Vrajlal Jamnadas.
6. Jethalal Premji.
7. Jayant Shamji.
8. Ratansi Ravaji.
9. Hirbalal Ravaji.
10. Nirmala Tapubhai.
11. Jagjivan Ramji.
12. Manilal Bhagwandas.
13. Maganlal Bhavanji.
14. Dulerai Amritlal.
15. Champalal Ramkishan.
16. Gangabal Amritlal.
17. Ratansi Khimaji.
18. Motiben Shomnathbhai.
19. Pranjivandas P. Parekh.
20. Lomeshchandra Kothari.
21. Maganlal Nathalal.
22. Kusumben Virchand.
23. Kantilal Talapchand.
24. Bhikhalal Lallubhai.
25. Dalchand Dosabhai.
26. Chapsi Bhimsi.
27. Nandlal Motichand.
28. Rameshchandra Shah.
29. Nanaji Bhimasi.
30. Nanaji Mulaji.
31. Bhanbhai Bhimasi.
32. Harshadrai M. Parekh.
33. Harshadrai M. Parekh.
34. Ratansi Pragaji.
35. Sadanand Hotel. (Devu Shetty).
36. Premaji Ratansi.
37. Parasnath Ramlagan.
38. Parasnath M. Ramlagan.
39. Narayan Mulshanker.
40. Dhanji Aratan.
41. Chimanlal Hemchand.
42. Savitribai Namdev.
43. John Bepty's Demollo.
44. Bhasker Shetty.
45. Manharl Jivram.

Parekh Bhuvan

1. Manchhaben Jayantilal.
2. Shantilal Trikamji.
3. Hasmukhrai Bhansushanker.
4. Popatlal Purshottam.
5. Dungarsi Hirji.
6. Kunjan Gangaprasad.
7. Purshottam Dubbar.
8. Hansaben Chandulal.
9. Dahyabhai Manajibhai Patel.
10. Shankerlal Liladhar.
11. Nyalchand Zaverchand.
12. Suryakanta Shankerlal.
13. Pranshanker Chhaganlal.
14. Nitaben Maniganpati.
15. Manjula Prabhudas.
16. Chandulal Tribhovandas.
17. Manoharlal Ratilal.
18. Narmada Shanker Jethalal.
19. Somnath Girdharbhai.
20. Khimaji Velji.
21. Lilavati Damodardas.
22. Rajanikant Kantilal.
23. Vrajlal Thakarsi.
24. Chhotalal Narbhiram.
25. Pravinchandra J. Rajgaru.
26. Natverlal Bhansushanker.
27. Narottamdas Harilal.
28. Vanechand Dosabhai.
29. Savitaben Nagindas.
30. Gautamlal Tulasidas.
31. Bhupendra Bhaichand.
32. Hasmukhrai Girajashanker.
33. Natverlal Hargovindas.
34. Balvantrai Mohanlal.
35. Tukaram Gvande.
36. Jitendra Jantilal.
37. Sahebali Abdulali.
38. Jaynatilal Keshavji.
39. Mahamod Rafi Tejali.

Gangavadi Chawl No. 3

1. Laxmishanker Narmadashanker.
2. **Natverlal Keshavej.**
3. Prabhudas Mulasjibhai.
4. Mulshanker Shrikrishna.
5. Maganlal Narmadashanker.
6. Jayantilal Ratansi.
7. Natverlal Muralidas.
8. Vijaya Amritlal.
9. Laxmidas Vardichand.
10. **Khetaji Hansraj.**
11. Nirmala Tapubhai.
12. Zaverilal Amritlal.

Temporary Chawl No. 3

1. Jashvantrai Bhikhalal.
2. Puspavati Anantrai.
3. Chhaganlal Hargovind.

Temporary Chawl No. 1

1. Mahadev Laxman.
2. Sarasvati Velji.
3. Ratilal Amritlal.
4. Manubhai Gordhandas.
5. Kishavji Pragaji.
6. Arjan Karsan.
7. Mulaji Kuvarji.
8. Ramaji Rughenath.

9. Vallabhdas Girdhardas.
10. Jerambhai Laxmidas.
11. Hiraji Ramaji.
12. Valaji Manaji.
13. Dyaneshwar Yashwant.
14. Harshad Gangaram.
15. Thakarshi Premaji.
16. Jivaraaj Velaji.
17. Kantilal Shivaram.
18. Maniben Hiraji.
19. Davaji Dharamshi.
20. Maniben Hiraji.

Dated 16th August, 1973.

सं० अ० ई-2/265/376/7273.—अतः मुझे श्री न० द० अन्जारीया सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रंज 2 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सं० 169, हि० सं० 9, सं० सं० 125, सं० सं० 171 है, जो घाटकोपर बम्बई में स्थिति है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना, और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री पुरुषोत्तम जमनादास पारेख (अन्तरक) 'राजेश' आर० बी० नेहता रोड, घाटकोपर, बम्बई 77

2. घोषालिया रतिलाल विट्ठलदास (मधुनानिवास) (अन्तरिनी) दशार्णिमाली जैन विद्यार्थी गृह मावेर कुंडला (सौराष्ट्र) चेरीटेबन ट्रस्ट फंड द्वारा जयंतीलाल ब्रदर्स गोपाल निवास । ला माला 133 प्रीन्सेस स्ट्रीट, बम्बई-2
3. श्री/श्रीमती/कुमारी सलग्न परिशिष्ट 'अ' के अनुसार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. श्रीमती देवयानी सी पाणेख (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

हि०सं० 10(अंश), सीटी सर्वेक्षण सं० 2079 से 2128 और 2130 से 2138 और नगर सर्वेक्षण सं० 2137

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी ।

एतद् द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर एक ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधिन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा । स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20—क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची :

भूमि के क्षेत्रफल चुकड़े या भाग जो कि रजिस्ट्री उपजिला बान्द्रा जिला बम्बई उपनगर के धारकोपर में स्थित मौजूद एवं पड़े हुए है उन पर आब निर्मित इमारत एवं ढाचों सहित जिनका कि सर्वेक्षण क्र० 169 हिस्सा क्र० 9, व मापसे करीब 1244 वर्गगज यानी कि 1040. 10 वर्ग मीटर, सर्वेक्षण क्र० 125 माप से करीब 1536 वर्गगज यानी की 12480 24 वर्गमीटर तथा सर्वेक्षण क्र० 171, हिस्सा क्र 10 (अंश), माप से करीब 1284 वर्गगज यानी कि 1073. 56 वर्ग मीटर, जिनका कुल योग 4064 वर्गगज यानी कि 3397. 90 वर्ग मीटर है जिनका कि नगर सर्वेक्षण क्रं 2079 से 2128 एवं 2130 से 2138 एवं ग्रामधारकोपर किरोल के नगर सर्वेक्षण क्र० 2139 का अंश एवं निम्न लिखित नगर पालिका वार्ड संख्याये धारण किये हुए हैं:—एन 6549(1), 6549(1ए), 6549(2), 6549(3), 6549(5), 6549(7), 6549(8), 9549(9), 6549(9ए), 6549(10) एवं 6549.(10 ए ए), एवं वहां पर खड़ी हुई जायदाद इस प्रकार से जानी जाती है :—“गोपाल

भवन ” “गोपाल भवन चाल ” “पारेख भवन ” “पारेख भवन चाल ” गंगावाडी सं० 3 “अस्थायी चाल सं० 9” और अस्थायी चाल सं० 3, तथा निम्न प्रकार से बिरे हुए हैं :—उत्तर में या ओर कुछ अंश 20 फीट चौड़ा रास्ता, कुछ अंश पटेल भूवन एवं कुछ अंश नाथालाल भूवन नाम से जाना जाने वाला मकान, दक्षिण में या ओर—सर्वेक्षण क्र० 169, पश्चिम में या ओर—सर्वेक्षण क्र० 171 हिस्सा क्र० 10 (अंश), पूर्व में या ओर—बम्बई आगरा रोड़ ।

परिशिष्ट ‘अ’

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

गोपाल भूवन

1. रतनलाल लालजी
2. प्रेमजी भीमसिंह
3. मुरेशचन्द्र अम्बालाल
4. जेठालाल भीमसिंह
5. अजलाल जमनादास
6. जेठालाल प्रेमजी
7. जयंत शामजी
8. रतनशी रावजी
9. हिरालाल भावजी
10. निर्मला तापूभाई
11. जगजीवन रामजी
12. मणीलाल भगवानदास
13. मगनलाल भवानजी
14. दुलेराई अमृतलाल
15. चंपालाल रामकिशन
16. गंगाबाई अमृतलाल
17. रतनशी खीमजी
18. मोतीबेन सोमनाथभाई
19. प्राणजीवनदास पी प्रकाश
20. लोमेशचन्द्र कोठारी
21. मगनलाल नाथालाल
22. कुसूमबेन विरचन्द
23. कांसीलाल तलापचंद
24. मिकालाल लल्लूभाई
25. दालीचंद दोराभाई
26. चम्पसी भिमसी
27. नंदलाल मोतीचंद
28. रमेशचंद्र शाहा
29. नानजी भिमसी
30. नानजी मुलाजी
31. मानाभाई भिमसी
32. हर्षदराय परेख

33. हर्षदराय पारेख
34. रतनजी प्रागजी
35. सदानन्द हॉटेल (देव शेटी)
36. प्रेमजी रतनजी
37. पारमनाथ रामलागन
38. पारमनाथ श्रीर रामलागन
39. नारायण मुलशंकर
40. धानजी अर्जन
41. चिमनलाल डेमचंद
42. सावित्री बाई मामदेव
43. जॉन वेष्टीज डिमेलो
44. मनहरराय जीवराम
45. भास्कर शेटी

पारेख भूषन

1. मंगाबेन जयंतीलाल
2. शातीलाल त्रिकमजी
3. हंसमुखराय भानुशंकर
4. पोपटलाल पुरषोत्तमदास
5. डुंगरशी हिरजी भाई
6. कुंजन गंगाप्रसाद
7. पुरषोत्तम दुवार
8. हमाबेन चंदुलाल
9. बयाभाई मानजीभाई पटेल
10. शंकरलाल लीलाधर
11. न्यालचंद क्षत्रेश्वर
12. सुर्यकांत शंकरलाल
13. प्राणशंकर छगनलाल
14. निलाबेनमणी गोमपती
15. मंजूला प्रभूदास
16. चंदुलाल विभूषनदाम
17. मनहरलाल मोतीलाल
18. नर्मदा शंकर जेठालाल
19. सोमनाथ गिरधरभाई
20. खिमजी बेलजी
21. लीलावती दामोदरदाम
22. रजनीकांत कांतीलाल
23. ब्रजलाल ठाकरसी
24. छोटालाल नारशीराम
25. प्रवीनचन्द्र जे राजगुरु
26. नटवरलाल भानुशंकर

27. नरोत्तमदाम हरीलाल
28. बानेचंद दासभाई
29. सविताब्जेन नगीनदाम
30. गीतमलाल तुलसीदाम
31. भूपेन्द्र भाईचंद
32. हंसमुखराम गिरधरशंकर
33. नटवरलाल हरगोविंददाम
34. बलवंतराय मोहनलाल
35. मलून मुकाराम म्यानदेव
36. विश्रुतगृह . जितेन्द्र जयतीलाल
37. गोदाम साहेबअली अब्दुलअली
38. जयतीलाल केशवजी
39. महंमद रफी तेजाली

गंगावाडी चाल सं० 3

1. लक्ष्मीशंकर नर्मदाशंकर
2. नटवरलाल केशवजी
3. प्रभूदास मूलजीभाई
4. मूलशंकर श्रीकृष्ण
5. मगतलाल नर्मदाशंकर
6. जयतीलाल रतनजी
7. नटवरलाल मुरारीदाम
8. विजया अमृतलाल
9. लक्ष्मीदास वरधीचंद
10. खेतशी हंमराज
11. निर्मला तापुभाई
12. जवेरीलाल अमृतलाल

अस्थायी चाल सं० 3

1. जसवंतराय भिकालाल
2. पुष्पावती अनन्तराय
3. छगनलाल हरगोविंद

अस्थायी चाल सं० 1

1. महादेव लक्ष्मन
2. मरुस्वती बेलजी
3. रतीलाल अमृतलाल
4. मनुभाई गोरधनभाई
5. केशवजी प्राणजी
6. अर्जन करण

7. मुलजी कुंवरजी
8. रामजी रबुनाथ
9. वल्लभदाम गिरधरभाई
10. जेरामभाई लक्ष्मीदाम
11. हरजी रामजी
12. बैलजी मानजी
13. ज्ञानेश्वर यशवंत
14. हर्षादि गंगाराम
15. ठाकरजी प्रेमजी
16. जोवरराज बैलजी
17. कांतीलाल शिवराज
18. मनीबेन हिरजी
19. देवजी धरमणो
20. दुकान : 9 मनीबेन हिरजी

No. AR-II/246/345/72-73.—Whereas I, Shri N. D. Anjarla, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing New S. No. 380 (part) & Sub-Divided Plot No. 3 situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 3rd February, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) Dhanpati Thackersey Hirji *alias* Dhanpati Thackersey.
- (ii) Bhagwandas Jamnadas
- (iii) Ranjit Jamnadas, 34, Walkeshwar Road, Bombay-6.—(Transferor).
- (2) Shri Gianchand Thanwandas Jethwani, Block No. 4/6, Mulund Colony, Bombay-82.—(Transferee).
- * (3) Shri/Smt./Kum. (Person in occupation of the property).
- * (4) (i) Smt. Taramati, w/o. Bhagwandas Jamnadas.

- (ii) Smt. Ranjana, w/o. Ranjit Jamnadas.
- (iii) Shri Bhagwandas Jamnadas.
- (iv) Shri Ishwardas Thanwardas Jathwani.
- *(4) Shri/Smt./Kum. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

All that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being at Mulund in Taluka South Salsette in the Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra bearing Old Survey No. 231 (part) and New Survey No. 380 (part) and forming part of the land described in the First Schedule hereinabove written and bearing Sub-Divided Plot No. 3 admeasuring to 858 square yards equivalent to 717.38 square metres or thereabouts and bounded as follows: ON or towards the NORTH by Water Dust Lines; ON or towards the SOUTH by 30 Road and beyond that by sub-divided Plot No. 7; ON or towards the EAST by sub-divided Plot No. 4 of the said Scheme and ON or towards the WEST by sub-divided Plot No. 2 of the said scheme.

ANNEXURE 'A'

The First Schedule

All that vacant pieces or parcels of land or ground situate lying and being at Mulund in Taluka South Salsette in the Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra bearing Old S. No. 231 and New S. No. 380 (part) and admeasuring 22116 square yards equivalent to 18492.29 square metres or thereabouts and bounded as follows: ON or towards the NORTH PARTLY by land bearing Survey No. 376 and partly by land reserved for Dhobi Housing; ON or towards the SOUTH by the land reserved for forests; ON or towards the WEST by the land bearing Survey No. 351 (part) and reserved for forests and ON or towards the EAST partly by the land bearing Survey No. 232 (part) and by land bearing Survey No. 377.

सं.अ०ई०-2/246/345/72-73 -- अतः मुझे श्री न० द० अन्जारिया, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज 2 बम्बई, आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अर्धगत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० नया सं०सं० 380(अंश), उप-विभाजित प्लॉट सं० 3 है, जो मुन्नुण्ड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन 3-2-1973

पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रार द्वारा विनिर्देशित के अनुसार अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना, और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी 1. धनपती ठाकरसी हिरजी उर्फ धनपती ठाकरसी ।
2 श्री रणजीत जमनादाम
3. श्री भगवानदास जमनादाम 34, बालकेश्वर रोड,
बम्बई-6 । (अन्तरक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी श्री ग्यानचंद थावरदाम जेठवानी/क्लाक नं० 4/6, मुलुण्ड कालनी,
बम्बई-82 (अन्तरित)
- * 3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी 1. श्रीमती तारामती भगवानदास जमनादास
2. श्रीमती रंजना रणजीत जमनादास
3. श्री भगवान दास जमनादास
4. श्री ईश्वरदास थावरदाम जेठवानी । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

*(जो लागू न हो उसे काट दी जाए)

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आर्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम खाली टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिला के दक्षिण सालसेट्ट तालुका के मुलण्ड में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है जिसका पुराना सर्वेक्षण क्र० 231 (अंश) एवं नया सर्वेक्षण क्र० 380 (अंश) है एवं यहां ऊपर उल्लिखित प्रथम अनुसूची में वर्णित भूमि का अंग है तथा उप-विभाजित प्लॉट क्र० 3 धारण किये हुए है जो कि माप से करीब 858 वर्ग गज यानी कि 717.38 वर्गमीटर के समकक्ष है तथा निम्न प्रकार से घिरा हुआ है:—

उत्तर में या ओर—वाटर डच लाईन, दक्षिण में या ओर—30 फीट सड़क तथा उससे आगे उप-विभाजित प्लॉट क्र० 7, पूर्व में या ओर—उपरोक्त योजना का उप-विभाजित प्लॉट क्र० 4, पश्चिम में या ओर—उपरोक्त योजना का उप-विभाजित प्लॉट क्र० 2 ।

परिशिष्ट 'अ'

प्रथम अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम खाली टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिला के दक्षिण सालसेट्ट तालुका के मुलण्ड में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जिसका पुराना सर्वेक्षण क्र० 231 (अंश) एवं नया सर्वेक्षण क्र० 380 (अंश) है जो कि माप से करीब 22116 वर्ग गज यानी कि 18492.29 वर्गमीटर के समकक्ष है तथा निम्न प्रकार से घिरा हुआ है:—उत्तर में या ओर—कुछ अंश सर्वेक्षण क्र० 376 वाली भूमि एवं कुछ अंश घोषी गृह के लिए आरक्षित भूमि, दक्षिण में या ओर—जंगल के लिये आरक्षित भूमि, पश्चिम में या ओर—सर्वेक्षण क्र० 351 (अंश) वाली भूमि, एवं जंगल के लिये आरक्षित भूमि, पूर्व में या ओर—कुछ अंश सर्वेक्षण क्र० 232 (अंश) वाली भूमि एवं सर्वेक्षण क्र० 377 वाली भूमि ।

† साथ में यहां पर संलग्न परिशिष्ट के मुताबिक ।

No. AR-II/247/348/72-73.—Whereas, I Shri N. D. Anjaria, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing New S. No. 380 (part) Sub-Divided Plot No. 8 situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 3rd February, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Dhanpati Thackersey Hirji *alias* Dhanpati Thackersey.
(ii) Shri Bhagwandas Jamnadas.
(iii) Shri Ranjit Jamnadas, 34, Walkeshwar Road, Bombay-6.—(Transferor).
- (2) Shri Kishanchand Thanwandas Jethwani, Block No. 4/6, Mulund Colony, Bombay-82.—(Transferee).
- * (3) Shri/Smt./Kum. (Person in occupation of the property)
- * (4) (i) Smt. Taramati, w/o. Bhagwandas Jamnadas.
(ii) Smt. Ranjana, w/o. Ranjit Jamnadas.
(iii) Shri Bhagwandas Jamnadas.
(iv) Shri Ishwardas Thanwandas Jathwani.—(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

*Strike off where not applicable.